

पड़ोसी पर पुत्री का जबरन अंतिम संस्कार का आरोप

रविवार को घर में घुसकर पुत्री के साथ की थी मारपीट



रोजा-शाहजहांपुर। रोजा के मठिया कालोनी की एक बेटा ने पड़ोसी पर घर में घुस कर नाबालिग पुत्री के साथ मारपीट करने व हत्या कर डारा धमकाकर जबरन अंतिम संस्कार करने का आरोप लगाते हुए था तो थाना प्रभारी ने माफते को गंभीरता से लेते हुए जांच के आदेश दिये हैं।

थाना रोजा के मठिया कालोनी निवासी मोनोज कुमार की बेटा पुनीता ने पुलिस को बताया कि मोहल्ले के ही शिवसागर गुमा व उनके परिवार वाले खिवार को घर में जबरन घुस आये और उसकी पुत्री शिवाना (16) के साथ मारपीट की और धमकी दी कि यदि पुलिस में शिकायत की तो पूरे परिवार को जान मार देंगे। सोमवार को वह बच्चों के साथ प्रसाद चढ़ाने आरोप है कि शिवसागर गुमा व उसकी बेटी के लिये जलबाजी करने लगा, जब उसने कहा कि यदि उसके दो बेटे बाहर हैं उनके आने पर ही अंतिम संस्कार करेंगे तो शिवसागर गुमा धमकी देने लगा। आरोप है कि बाद शिवसागर गुमा व उसकी बेटी के अंतिम संस्कार के लिये जलबाजी करने लगा, जब उसने कहा कि यदि उसके दो बेटे बाहर हैं उनके आने पर ही अंतिम संस्कार करेंगे तो शिवसागर गुमा धमकी देने लगा। आरोप है कि बाद में शिवसागर

गुमा और उसके परिजन ने जबरन उसकी बेटी की अंतिम संस्कार कर दिया। पुनीता ने पुलिस को बताया कि शिवसागर ने उसे और बच्चों को धमकी दी कि पुलिस से शिकायत की तो पूरे परिवार को जान से मार देगा। दूसरी ओर मोहल्ले में चर्चा है कि अंतिम संस्कार में परिवार का कोई व्यक्ति शामिल नहीं था। दूसरा प्रश्न यह उत्तर है कि नाबालिग बच्ची का बाद संस्कार कर्यों किया उसे तो दफना चाहिए कहीं ऐसा तो नहीं कि सबूत मिटाने के लिये दाह संस्कार किया गया है? वही थाना प्रभारी राजीव कुमार ने बताया कि महिला ने थेने पर अंतिम संस्कार के लिये शिकायत की है, मामला गंभीर है, जांच की जा रही है। जांच के बाद दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जायेगी। वही पुलिस ने आरोपियों की तलाश में दिवारी दी तो आरोपियों की फरार हो गयी।

लेखपाल व ग्राम प्रधान अवैध पट्टे कराने की कर रहे कोशिश

पुवायां-शाहजहांपुर। सिधौली की ग्राम पंचायत कलुआपुर में इन दोनों अवैध पट्टों का मामला काफी दिन से चर्चा में है बताया जा रहा है कि यह मामला सभी अधिकारियों में चर्चा का विषय बना हुआ है सिधौली ब्लॉक की ग्राम पंचायत कलुआपुर में ग्रामीणों ने लेखपाल विरेश सिंह व ग्राम प्रधान गायत्री वर्मा व ग्रामीणों का विवाहपाल विरेश सिंह व ग्राम प्रधान गायत्री वर्मा पर आरोप लाता हुए उप जिलाधिकारी पुवायां को प्रार्थना पत्र देकर बताया है कि हमारी ग्राम

पंचायत कलुआपुर में आपांतों को ग्राम प्रधान व लेखपाल भिलकर पट्टे कराने की कोशिश कर रहे हैं ग्रामीणों का कहना है कि जो लोग भूमिहीन हैं उनके ही पट्टे किए जाएं वहीं ग्राम प्रधान पति दिनेश वर्मा द्वारा कर्वजी शपथ पत्र बनवाकर जिन लोगों के नाम पर काफी जमीन है उनको भूमिहीन दिवाकर पट्टे पर तुले हुए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि ऐसे लेखपाल के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और साथ ही इसका हल्का भी चेंज किया जाए और जो

आग लगाने से कृषकों को हुआ हजारों का नुकसान

किए जाएं वहीं स्मृतों से भिली जानकारी के अनुसार यह पता चला है कि लेखपाल वीरेश सिंह व ग्राम प्रधान पति दिनेश वर्मा द्वारा कर्वजी शपथ पत्र बनवाकर जिन लोगों के नाम पर काफी जमीन है उनको भूमिहीन दिवाकर पट्टे करते हुए शिक्षकों व अधिकारियों का धन्यवाद देता है। इसे एक बीच मौजूद रहे जयचंद, फूलचंद, राम सिंह कुशवाहा, कालीचंद, शिवरतन रामकिशोर, महेंद्र पाल आदि।

का प्रयास किया गया इसके बाद अनियमित विभाग के फेने किया गया और पर्यावरण की अपीली और शूष्कता के लिए आग पर कलूपा पाया मुझे मोड़ बढ़ा गूंगा आग की चेपें में आग और जल गया। डेंग घंटे से लगी आग को बुझाने के लिए ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत की आस पड़ोस से पानी इकट्ठा करके आग को बुझाने

शर्मा, फायरसैन अतुल शाव व शुभदेव चुम्बा आदि और शूष्कता के लिए आग पर कलूपा पाया मुझे मोड़ बढ़ा गूंगा आग की चेपें में आग और जल गया। डेंग घंटे से लगी आग को बुझाने के लिए ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत की आस पड़ोस से पानी इकट्ठा करके आग को बुझाने

शर्मा, फायरसैन अतुल शाव व शुभदेव चुम्बा आदि और शूष्कता के लिए आग पर कलूपा पाया मुझे मोड़ बढ़ा गूंगा आग की चेपें में आग और जल गया। डेंग घंटे से लगी आग को बुझाने के लिए ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत की आस पड़ोस से पानी इकट्ठा करके आग को बुझाने

शर्मा, फायरसैन अतुल शाव व शुभदेव चुम्बा आदि और शूष्कता के लिए आग पर कलूपा पाया मुझे मोड़ बढ़ा गूंगा आग की चेपें में आग और जल गया। डेंग घंटे से लगी आग को बुझाने के लिए ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत की आस पड़ोस से पानी इकट्ठा करके आग को बुझाने

शर्मा, फायरसैन अतुल शाव व शुभदेव चुम्बा आदि और शूष्कता के लिए आग पर कलूपा पाया मुझे मोड़ बढ़ा गूंगा आग की चेपें में आग और जल गया। डेंग घंटे से लगी आग को बुझाने के लिए ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत की आस पड़ोस से पानी इकट्ठा करके आग को बुझाने

शर्मा, फायरसैन अतुल शाव व शुभदेव चुम्बा आदि और शूष्कता के लिए आग पर कलूपा पाया मुझे मोड़ बढ़ा गूंगा आग की चेपें में आग और जल गया। डेंग घंटे से लगी आग को बुझाने के लिए ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत की आस पड़ोस से पानी इकट्ठा करके आग को बुझाने

शर्मा, फायरसैन अतुल शाव व शुभदेव चुम्बा आदि और शूष्कता के लिए आग पर कलूपा पाया मुझे मोड़ बढ़ा गूंगा आग की चेपें में आग और जल गया। डेंग घंटे से लगी आग को बुझाने के लिए ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत की आस पड़ोस से पानी इकट्ठा करके आग को बुझाने

शर्मा, फायरसैन अतुल शाव व शुभदेव चुम्बा आदि और शूष्कता के लिए आग पर कलूपा पाया मुझे मोड़ बढ़ा गूंगा आग की चेपें में आग और जल गया। डेंग घंटे से लगी आग को बुझाने के लिए ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत की आस पड़ोस से पानी इकट्ठा करके आग को बुझाने

शर्मा, फायरसैन अतुल शाव व शुभदेव चुम्बा आदि और शूष्कता के लिए आग पर कलूपा पाया मुझे मोड़ बढ़ा गूंगा आग की चेपें में आग और जल गया। डेंग घंटे से लगी आग को बुझाने के लिए ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत की आस पड़ोस से पानी इकट्ठा करके आग को बुझाने

शर्मा, फायरसैन अतुल शाव व शुभदेव चुम्बा आदि और शूष्कता के लिए आग पर कलूपा पाया मुझे मोड़ बढ़ा गूंगा आग की चेपें में आग और जल गया। डेंग घंटे से लगी आग को बुझाने के लिए ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत की आस पड़ोस से पानी इकट्ठा करके आग को बुझाने

शर्मा, फायरसैन अतुल शाव व शुभदेव चुम्बा आदि और शूष्कता के लिए आग पर कलूपा पाया मुझे मोड़ बढ़ा गूंगा आग की चेपें में आग और जल गया। डेंग घंटे से लगी आग को बुझाने के लिए ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत की आस पड़ोस से पानी इकट्ठा करके आग को बुझाने

शर्मा, फायरसैन अतुल शाव व शुभदेव चुम्बा आदि और शूष्कता के लिए आग पर कलूपा पाया मुझे मोड़ बढ़ा गूंगा आग की चेपें में आग और जल गया। डेंग घंटे से लगी आग को बुझाने के लिए ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत की आस पड़ोस से पानी इकट्ठा करके आग को बुझाने

शर्मा, फायरसैन अतुल शाव व शुभदेव चुम्बा आदि और शूष्कता के लिए आग पर कलूपा पाया मुझे मोड़ बढ़ा गूंगा आग की चेपें में आग और जल गया। डेंग घंटे से लगी आग को बुझाने के लिए ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत की आस पड़ोस से पानी इकट्ठा करके आग को बुझाने

शर्मा, फायरसैन अतुल शाव व शुभदेव चुम्बा आदि और शूष्कता के लिए आग पर कलूपा पाया मुझे मोड़ बढ़ा गूंगा आग की चेपें में आग और जल गया। डेंग घंटे से लगी आग को बुझाने के लिए ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत की आस पड़ोस से पानी इकट्ठा करके आग को बुझाने

शर्मा, फायरसैन अतुल शाव व शुभदेव चुम्बा आदि और शूष्कता के लिए आग पर कलूपा पाया मुझे मोड़ बढ़ा गूंगा आग की चेपें में आग और जल गया। डेंग घंटे से लगी आग को बुझाने के लिए ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत की आस पड़ोस से पानी इकट्ठा करके आग को बुझाने

शर्मा, फायरसैन अतुल शाव व शुभदेव चुम्बा आदि और शूष्कता के लिए आग पर कलूपा पाया मुझे मोड़ बढ़ा गूंगा आग की चेपें में आग और जल गया। डेंग घंटे से लगी आग को बुझाने के लिए ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत की आस पड़ोस से पानी इकट्ठा करके आग को बुझाने

शर्मा, फायरसैन अतुल शाव व शुभदेव चुम्बा आदि और शूष्कता के लिए आग पर कलूपा पाया मुझे मोड़ बढ़ा गूंगा आग की चेपें में आग और जल गया। डेंग घंटे से लगी आग को बुझाने के लिए ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत की आस पड़ोस से पानी इकट्ठा करके आग को बुझाने

शर्मा, फायरसैन अतुल शाव व शुभदेव चुम्बा आदि और

स्वतंत्र भारत

यदा यदाहि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्।।

वक्त का इंतजार

खुफिया और रक्षा एजेंसियों द्वारा पुखा सबूत जुटा लेने के बाद अब कोई शक नहीं रह गया कि पहलगाम में आतंकी नस्संहर सीधे-सीधे पाकिस्तान द्वारा प्रयोजित था। कश्मीर सहित पूरे भारत में इस घटना के खिलाफ जबरदस्त उत्ताल है जिसकी प्रतिष्ठन खुद प्रधानमंत्री द्वारा गत रविवार को 'मन की बात' में 'हर देशवासी का खून खौल रहा है' और मंगलवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में 'सेना को कोई कदम उठाने की पूरी दृष्टि है' जैसे वक्तव्यों में स्पष्ट रूप से गूंजती है। इससे यह भी स्पष्ट है कि सरकार देशवासियों के गुरुसे को अच्छी तरह से समझ रही है। अब केवल समय की बात है कि निर्णायक चोट कब होती है। वैसे भी सिंधु जल समझौता स्थान, पाक विमानों के लिए एयर स्पेस बंद करने और देश भर से पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजने जैसे कड़े कदमों से सरकार ने अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। पूरी दुनिया ने भी भारत के कदमों के प्रति एक जुटा व्यक्त की है। खुद पाक भी संभावित गहरी चोट को लेकर आशकृत है और वहां का सत्ता प्रतिष्ठान बेहद घबराया हुआ है। यह जानते हुए भी कि भारत द्वारा की जाने वाली किसी भी कार्रवाई से बचना नामुमानिक है, वह अपनी नियमित सेना के साथ आतंकियों की फैज के साथ बचाव की तैयारी कर रहा है लेकिन डर इस कदर छा गया है कि तमाम मंत्री, बिलाल भुट्टो जैसे नेता, सैन्य अधिकारी अपने परिजनों को विदेश भेजने में जुट गए हैं लेकिन ध्यान रखने की बात यह भी है कि पहलगाम होने के बाद कश्मीर में नए सिरे से सरकार-सेना बरते जाने के बावजूद आतंकी अपनी सक्रिय हैं और दो दिनों पूर्व कुपवाड़ में उन्होंने एक सामाजिक कार्यकर्ता की हत्या कर दी। ऐसे में जरूरी है कि बड़ी कार्रवाई की तैयारी में जुने के कारण कश्मीर को लेकर सुख्ख इंतजारों में किसी तरह की फिलाइ न आने पाए। अब होना ये चाहिए कि पहलगाम हमले के प्रतिशोध के साथ पाक में जम्बूली से चल रहे आतंकी ठिकानों को निर्णायक रूप से व्यस्त किया जाए। इसके लिए वहां की सरकार को अपने इशारे पर चलाने वाली सेना को भी टारेट करना होगा जो आतंकियों को पाल पोस्कर उन्हें धातक रूप से ट्रैक कर रही है। बेराम दुश्मन को उसी की जुबान में जवाब देना जरूरी है।

झुगियों में आग

गर्मियों में झुगी-झापड़ी वाली बस्तियों में अग्निकांड आमतौर पर होते ही हैं। इनमें कभी नुकसान कम होता है तो कभी असर काफी बड़े पैमाने पर होता है। इनके पीछे खाना पकाते समय चूहे या गैस, पूर्स में जलती बीड़ी और अवैध रूप से खींचे गए बिजली के तरीके में फल्ट आ जाना मुख्य वजह होती है। चूहे झुगियां बेहद घनी बसी होती हैं तो आग बुझने के लिए इनसे होकर गुजना कठिन होता है और लापें तांडव करती रहती है। कारण यह है कि इन बस्तियों को बसाए जाने के पीछे किसी व्यवस्था की सोच नहीं होती। लखनऊ में हाल ही में ऐसी ही एक घटना हुई जिसमें बड़ी संख्या में झोपड़ियां और उनमें रखे घर-घृहस्थी के सामान जलकर रख रहे गए। अब यह समझना मुश्किल नहीं है कि इस घटना के बाद वहां रहने वालों के जीवन में किस तरह का दुर्भाय आ गया होगा। इन घटनाओं में आम तौर पर जनहानि नहीं होती क्योंकि लोग जलते आशियाने छोड़कर दूर भगाकर जान बचा लेते हैं लेकिन इससे इन घटनाओं की गंभीरता कम नहीं हो जाती। किसी नए बसे शहर में ऐसी घटना होने पर मान भी लिया जाए कि इंतजारों में कोई चूक रह गई होगी पर बस्तों से बसे शहर में ऐसी बस्तियां बसते समय से ही प्रशासन इनकी वैधता, बसावर और इंतजारों आदि पर गंभीरता से निगरानी रखे तो ऐसी दुर्घायूर्ण घटनाओं से बचा जा सकता है। ऐसा न होने से ही गरिमों विचारों के रहने की इन जाहों पर हर वक्त खतर बना रहता है। पूर्व में भी ऐसी घटनाओं के पीछे व्यवस्थागत कमियां समाने आ चुकी हैं लेकिन प्रशासनिक कार्यपद्धति के मुालिक उनसे कोई सबक नहीं लिया गया। अब जब लखनऊ शहर का तेजी से विस्तार होने के साथ गेजी-रेटी के लिए बाहर से आने वालों की संख्या भी बढ़ रही है, तब स्वाभाविक है कि ऐसी बस्तियों की संख्या भी बढ़ेगी। ऐसे में प्रशासन को इस ओर भी काफी सरकारी तरफ से लगातार ध्यान देना होता है।

समाज और राष्ट्र की धुरी है मजदूर

ए क मई को हर वर्ष अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस या मजदूर दिवस या मई दिवस के रूप में मनाया जाता है। वास्तव में, यह दिवस मजदूरों और श्रमिकों का उत्सव है, जिसे अंतरराष्ट्रीय श्रम आंदोलन द्वारा बढ़ावा दिया जाता है और यह हर दिन 1 मई या मई के पहले सोमवार को होता है। यहां यह भी उड़ानीय है कि 1 मई महाराष्ट्र दिवस के साथ भी मेल खाता है, जो 1960 में दो

घंटों को लेकर यह आंदोलन हुआ था, किंवदं यह अंदोलनों और मजदूरों अधिकारों के बढ़ते काम किया करते थे। आंदोलन के दौरान पुलिस ने मजदूरों पर गोलियां चलाई, जिसमें कई अधिकारों की जान चली गई और कई श्रमिकों की जान चली गई और कई घटना के तीन साल

उत्तरविधियों की याद दिलाता है। सच

तो यह है कि यह सामाजिक अंदोलनों और मजदूरों अधिकारों के बढ़ते व्यवहार की दर्शाता है।

मजदूरों को सुरक्षा (समय पर और

पूरी मजदूरी का भुगतान, और न्यूनतम मजदूरी का अधिकार),

संरक्षित होने और देव यूनियन बनाने का अधिकार आदि प्रदान किए गए हैं। इतना ही नहीं, मजदूरों को कार्यस्थल पर गोपनीयता का अधिकार, शिकायतों का निवारण, और प्रबंधन में भागीदारी का अधिकार भी है। आज मर्शिनीकरण, औपरोगीकरण, तकनीकी का युग है। आज भी मजदूरों को कम वेतन दिया जाता है और कठिन परिस्थितियों में काम करने के लिए मजदूरों ने की थी। उन्होंने मजदूरों के हक और अधिकारों की मांग को लेकर मदास हाई कोर्ट के सामने पहली बार मजदूर दिवस की सभा आयोजित की थी। इसी सभा में मजदूरों द्वारा यह बोली गयी थी।

चेन्नई (तब मदास) में लेबर किसान पार्टी औफ हिंदुस्तान द्वारा आयोजित किया गया था। पालकों को बताता चलूँ कि इस दिन की शुरूआत चेन्नई में कम्पनिस्ट नेता सिंगारेवेलु चेन्नईर ने की थी। उन्होंने मजदूरों के हक और अधिकारों की मांग को लेकर मदास हाई कोर्ट के सामने पहली बार मजदूर दिवस की सभा आयोजित की थी। इसी सभा में काम करने के लिए मजदूरों ने की थी। आज भी जान बल और मजदूरों के समर्पण, परिश्रम और योगदान का ही नीतीज होता है।

मजदूरों के सुरक्षा (समय पर और

पूरी मजदूरी का भुगतान, और न्यूनतम मजदूरी का अधिकार),

संरक्षित होने और देव यूनियन बनाने का अधिकार आदि प्रदान किए गए हैं। इतना ही नहीं, मजदूरों को कार्यस्थल पर गोपनीयता का अधिकार, शिकायतों का निवारण, और प्रबंधन में भागीदारी का अधिकार भी है। आज मर्शिनीकरण, औपरोगीकरण, तकनीकी का युग है। आज भी मजदूरों को कम वेतन दिया जाता है और कठिन परिस्थितियों में काम करने के लिए मजदूरों ने की थी। उन्होंने मजदूरों के हक और अधिकारों की मांग को लेकर मदास हाई कोर्ट के सामने पहली बार मजदूर दिवस की सभा आयोजित की थी। इसी सभा में काम करने के लिए मजदूरों ने की थी। आज भी जान बल और मजदूरों के समर्पण, परिश्रम और योगदान का ही नीतीज होता है।

मजदूरों की सुरक्षा (समय पर और

पूरी मजदूरी का भुगतान, और न्यूनतम मजदूरी का अधिकार),

संरक्षित होने और देव यूनियन बनाने का अधिकार आदि प्रदान किए गए हैं। इतना ही नहीं, मजदूरों को कार्यस्थल पर गोपनीयता का अधिकार, शिकायतों का निवारण, और प्रबंधन में भागीदारी का अधिकार भी है। आज मर्शिनीकरण, औपरोगीकरण, तकनीकी का युग है। आज भी मजदूरों को कम वेतन दिया जाता है और कठिन परिस्थितियों में काम करने के लिए मजदूरों ने की थी। उन्होंने मजदूरों के हक और अधिकारों की मांग को लेकर मदास हाई कोर्ट के सामने पहली बार मजदूर दिवस की सभा आयोजित की थी। इसी सभा में काम करने के लिए मजदूरों ने की थी। आज भी जान बल और मजदूरों के समर्पण, परिश्रम और योगदान का ही नीतीज होता है।

मजदूरों की सुरक्षा (समय पर और

पूरी मजदूरी का भुगतान, और न्यूनतम मजदूरी का अधिकार),

संरक्षित होने और देव यूनियन बनाने का अधिकार आदि प्रदान किए गए हैं। इतना ही नहीं, मजदूरों को कार्यस्थल पर गोपनीयता का अधिकार, शिकायतों का निवारण, और प्रबंधन में भागीदारी का अधिकार भी है। आज मर्शिनीकरण, औपरोगीकरण, तकनीकी का युग है। आज भी मजदूरों को कम वेतन दिया जाता है और कठिन परिस्थितियों में काम करने के लिए मजदूरों ने की थी। उन्होंने मजदूरों के हक और अधिकारों की मांग को लेकर मदास हाई कोर्ट के सामने पहली बार मजदूर दिवस की सभा आयोजित की थी। इसी सभा में काम करने के लिए मजदूरों ने की थी। आज भी जान बल और मजदूरों के समर्पण, परिश्रम और योगदान का ही नीतीज होता है।

मजदूरों की सुरक्षा (समय पर और

पूरी मजदूरी का भुगतान, और न्यूनतम मजदूरी का अधिकार),

संरक्षित होने और देव यूनियन बनाने का अधिकार आदि प्रदान किए गए हैं। इतना ही नहीं, मजदूरों

गर्मी में आराम के लिए वाई रोब में शामिल करें ये आउटफिट्स

आपको हेल्प पर भी पड़ सकता है। इसलिए समर सीजन में आपको किस फैशन के कपड़े पहनने चाहिए, जो हम आपको यह बताने जा रहे हैं।

कॉटन- सूती या कॉटन कपड़ा सबसे पॉपुलर नेचुरल कपड़ों में से एक है, जो सास लेने के लिए बेस्ट होता है। यह पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा इस्तेमाल किए जाने वाले और टिकाऊ कपड़ों में से एक है। कॉटन के कपड़ों में रेसें के होंठे से शेरीर का पश्चिमा जल्द ही सुख जाता है और इससे बांधी ठंडी रहती है। इसमें कोई हेरानी की बात नहीं है कि, कॉटन गर्मियों का सबसे आम कपड़ा है। यह नेचुरल और हल्का कपड़ा गर्मियों में पहनने के लिए आइडियल है।

ग गर्मियों के मौसम में शरीर को कैसे ठंडा रखा जाए, इसके लिए लोग कई तरह के उपाय अपनाते हैं। जैसे-जैसे तापमान बढ़ता है, लोगों की परालीनीया भी बढ़ने लगती है। इसका सीधा असर

किस रंग की साड़ी के साथ कौन सा ब्लाउज जरूरी ?



फिर ब्लैक रंग का ब्लाउज पहनेंगी तो इससे आपका लुक अच्छा लगेगा। गोल्डन सीकिंग या कटवर्क ब्लाउज शादी या पार्टी के लिए परफेक्ट है।

मई की धूप से डल होने लगी है स्किन तो ऐसे रखें इसका ध्यान

तेज धूप का प्रभाव सीधा अब लोगों की स्किन पर पड़ने लगा है। इसकी वजह से त्वचा न सिर्फ डल हो रही है, बल्कि त्वचा पर अजोवा सा कालापन आने लगा है। ऐसे में यदि आपी से आप अपनी स्किन का ध्यान नहीं रखेंगे तो मई और जून के महीने में जब पारा और चंडेंगा तो आपको कानां परेशानी होगी। यह हम आपको कुछ ऐसे टिप्पण देने जा रहे हैं, जिनका ध्यान आपको गर्मियों में स्किन केरार करते समय रखना है। यदि आप इन टिप्पण का ध्यान रखेंगे तो आपका चेहरा हमेशा ही खिला-खिला रहेगा।

चेहरे को कवर करना जरूरी

ये गलती से भी नहीं सोचें कि सनस्क्रीन लगाने के बाद अब आप ऐसे ही बाहर जा सकते हैं। सनस्क्रीन लगाने के बाद अपने चेहरे को कॉटन के स्टॉल से अच्छी तरह से कवर कर ले। यदि आप ऐसा नहीं करेंगे तो इससे दिक्त बढ़ जाएगा। इसके अलावा हैट या छाती का भी इत्तेमाल करें, ताकि आपकी त्वचा धूप से बची रहे।

स्किनकेरार अपनाएं

गर्मी के इस मौसम में ज्यादा ही व्हाइट स्किन केरार करने की आपको जरूरत नहीं है। इसके लिए घरेलू नुस्खे अपनाएं। गर्मी में एलेवरा जेल, गुलाब जल और खीरे का इस्तेमाल स्किन केरार में करें। ये चीजें त्वचा को हाइड्रेट रखती हैं, जिनका वजह से त्वचा खिली-खिली रहती है। स्किन केरार न करने से स्किन काफी डल होने लगती है।

सही फेस पैक है जरूरी

इस फेस पैक में सिर्फ वही चीजें की इस्तेमाल करें, जिनके इस्तेमाल से आपकी

स्किन खिल जाती है। इसके अलावा दीही और बैसन के ग्लो को बरकरार रखता है। इसके अलावा दीही और बैसन के ग्लो को टैनिंग को खत्म करता है।

स्किन न केरार और घरेलू फेस पैक में क अप

लोगों को उनके स्किन

टाइप के मुताबिक स्किन

गर्मीयों में लंबे बालों से हैं परेशान तो बनाएं ये हेयरस्टाइल

चिलचिलाती गर्मी से बचने के लिए लोग कई तरह के उपाय अपनाते हैं कोई कॉटन के लाइट कपड़े पहनता है, तो कोई अपने बाल छोटे करवा लेता है। इस गर्मी के मौसम में, ऐसे हेयर स्टाइल की चाहत रखना जो आपको गर्मी से निपटने में मदद करे, एक स्मार्ट तरीका है। इस दौरान पुरुष तो अपने बाल छोटे करवा लेते हैं, लेकिन कई महिलाओं को अपने बाल लंबे रखना ही पसंद होता है। महिलाओं के लिए ऐसे कई तरह के हेरस्टाइल हैं, जो आपको

अच्छा लुक देने के साथ-

साथ गर्मी से बचने में

मदद भी करते हैं।

गर्मी के मौसम के लिए कुछ खास हेयरस्टाइल हैं, जो हीटवेब और नमी दोनों से आपको

बचाए रख सकते हैं। इस दौरान ठंडा

और स्मार्ट समर्पण करने के लिए कई स्टाइलिंग

लुक देती हैं, बल्कि गर्मी में आपको कूल और कंफर्टेबल भी बनाए रखती है। एकट्रेस रीम समीर ने पिंक कलर की स्टार्ट ड्रेस पहननेर गजब का फैशन महसूस करने के लिए कई महिलाओं के लिए कई स्टाइलिंग लुक देती हैं, तो आपको बचाए रख सकते हैं। इस दौरान ठंडा और स्मार्ट समर्पण करने के लिए कई स्टाइलिंग लुक देती हैं, तो आपको बचाए रख सकते हैं। ये हेयरस्टाइल आपको बचाए रख सकते हैं।

पोनीटेल कहते हैं। यह बालों को गंदन से दूर रखता है और आपको ठंडक देता है। यह हेयरस्टाइल बालों को पूरी तरह से बाँधकर ठंडक देता है। यह हेयरस्टाइल काही अलग दिखती है और गर्मियों के लिए परफेक्ट है। ब्रेड हेयरस्टाइल : यह क्लासिक हेयरस्टाइल बालों को पूरी तरह से बाँधकर ठंडक देता है। यह हेयरस्टाइल फॉर्मल और कैज़ुअल दोनों अवसरों के लिए सही है।

ब्रेड हेयरस्टाइल : यह क्लासिक हेयरस्टाइल बालों को पूरी तरह से बाँधकर ठंडक देता है। यह हेयरस्टाइल काही अलग दिखती है और गर्मियों के लिए परफेक्ट है। ब्रेड हेयरस्टाइल बालों को पूरी तरह से बाँधकर ठंडक देता है। यह हेयरस्टाइल फॉर्मल और कैज़ुअल दोनों अवसरों के लिए सही है।

ब्रेड हेयरस्टाइल : यह क्लासिक हेयरस्टाइल बालों को पूरी तरह से बाँधकर ठंडक देता है। यह हेयरस्टाइल काही अलग दिखती है और गर्मियों के लिए परफेक्ट है। ब्रेड हेयरस्टाइल बालों को पूरी तरह से बाँधकर ठंडक देता है। यह हेयरस्टाइल काही अलग दिखती है और गर्मियों के लिए परफेक्ट है।

पोनीटेल : अपने बालों को दोनों तरफ नीचे की ओर बांधकर ठंडक देता है। यह हेयरस्टाइल बालों को पूरी तरह से बाँधकर ठंडक देता है। यह हेयरस्टाइल बालों को पूरी तरह से बाँधकर ठंडक देता है। यह हेयरस्टाइल बालों को पूरी तरह से बाँधकर ठंडक देता है। यह हेयरस्टाइल बालों को पूरी तरह से बाँधकर ठंडक देता है।

पोनीटेल : अपने बालों को दोनों तरफ नीचे की ओर बांधकर ठंडक देता है। यह हेयरस्टाइल बालों को पूरी तरह से बाँधकर ठंडक देता है। यह हेयरस्टाइल बालों को पूरी तरह से बाँधकर ठंडक देता है।

पोनीटेल : अपने बालों को दोनों तरफ नीचे की ओर बांधकर ठंडक देता है। यह हेयरस्टाइल बालों को पूरी तरह से बाँधकर ठंडक देता है।

पोनीटेल : अपने बालों को दोनों तरफ नीचे की ओर बांधकर ठंडक देता है। यह हेयरस्टाइल बालों को पूरी तरह से बाँधकर ठंडक देता है।

पोनीटेल : अपने बालों को दोनों तरफ नीचे की ओर बांधकर ठंडक देता है। यह हेयरस्टाइल बालों को पूरी तरह से बाँधकर ठंडक देता है।

पोनीटेल : अपने बालों को दोनों तरफ नीचे की ओर बांधकर ठंडक देता है। यह हेयरस्टाइल बालों को पूरी तरह से बाँधकर ठंडक देता है।

पोनीटेल : अपने बालों को दोनों तरफ नीचे की ओर बांधकर ठंडक देता है। यह हेयरस्टाइल बालों को पूरी तरह से बाँधकर ठंडक देता है।

पोनीटेल : अपने बालों को दोनों तरफ नीचे की ओर बांधकर ठंडक देता है। यह हेयरस्टाइल बालों को पूरी तरह से बाँधकर ठंडक देता है।

पोनीटेल : अपने बालों को दोनों तरफ नीचे की ओर बांधकर ठंडक देता है। यह हेयरस्टाइल बालों को पूरी तरह से बाँधकर ठंडक देता है।

पोनीटेल : अपने बालों को दोनों तरफ नीचे की ओर बांधकर ठंडक देता है। यह हेयरस्टाइल बालों को पूरी तरह से बाँधकर ठंडक देता है।

पोनीटेल : अपने बालों को दोनों तरफ नीचे की ओर बांधकर ठंडक देता है। यह हेयरस्टाइल बालों को पूरी तरह से बाँधकर ठंडक देता है।

पोनीटेल : अपने बालों को दोनों तरफ नीचे की ओर बांधकर ठंडक देता है। यह हेयरस्टाइल बालों को पूरी तरह से बाँधकर ठंडक देता है।

पोनीटेल : अपने बालों को दोनों तरफ नीचे की ओर बांधकर ठंडक देता है। यह हेयरस्टाइल बालों को पूरी तरह से बाँधकर ठंडक देता है।

पोनीटेल : अपने बालों को दोनों तरफ नीचे की ओर बांधकर ठंडक देता है। यह हेयरस्टाइल बालों को पूरी तरह से बाँधकर ठंडक देता है।

पोनीटेल : अपने बालों को दोनों तरफ नीचे की ओर बांधकर ठंडक देता है। यह हेयरस्टाइल बालों को पूरी तरह से बाँधकर ठंडक देता है।

पोनीटेल : अपने बालों को दोनों तरफ नीचे की ओर बांधकर ठंडक देता है

